दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7

3 कुशीनगर में पुलिस एनकाउंटर

5 सीएम योगी बोले– योग सभी के लिए है, इसमें कोई भेदभाव नहीं... इसे नियमित अभ्यास का हिस्सा बनाएं

8 अफगानिस्तान से मैच के बाद इस भारतीय ने जीता बेस्ट फील्डर का अवार्ड

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 48 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 24 जून, 2024

NEET विवाद के बीच आधी रात पेपर लीक के खिलाफ सरकार लाई नया कानून

NEET Paper Leak नीट और न परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। UGC&NET प्रवेश परीक्षा रद्द करने के बाद अब NTA ने CSIR&UGC&NET परीक्षा को स्थगित कर दिया। इस बीच बीती रात केंद्र सरकार ने पेपर लीक पर लगाम लगाने के लिए एक सख्त कानून को अधिसूचित किया। कानून में आरोपी को 10 साल तक की सजा का प्रावधान है।

नई दिल्ली। NEET और UG परीक्षा में कथित अनियमितताओं के चलते देश में विवाद खड़ा हो चुका है। लाखों बच्चें सरकार से न्याय की आस लगाए बैठे हैं। वहीं, बीती रात केंद्र सरकार भी एक्शन मोड में आ गई और उसने देशभर में आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं और सामान्य प्रवेश परीक्षाओं में गड़बड़ी और अनियमितताओं को खत्म करने के लिए एक सख्त कानून को अधिसूचित किया। इस कानून के तहत जो लोग पेपर लीक जैसी अपराधों में शामिल लोगों उन्हें सख्त दंड दिया जाएगा, जिसमें अधिकतम 10 साल की कैद और 1 करोड़ तक का जुर्माना शामिल है। नीट परीक्षा अनियमितताओं की बात सामने आने के बाद ये विवाद लगातार बढ़ता ही जा रहा है। आइए, 10 प्वाइंट में पूरे मामले को जानें...

NEET परीक्षाओं के आयोजन में कथित कदाचार और यूजीसी नेट पेपर लीक को लेकर देश में बड़े पैमाने पर विवाद छिड़ा हुआ है। दरअसल, नीट परीक्षा में तकरीबन 1563 बच्चों को ग्रेस मार्क्स दिए गए थे, जिसका पता चलने के बाद इसमें धांधली तक के आरोप लगे और परीक्षा रद करने की मांग हुई। मामला 67 छात्रों के टॉप करने को लेकर था, जिन्हें 720 में से 720

अंक मिले। वहीं, इनमें से 6 छात्र एक ही सेंटर के थे।शिक्षा मंत्रालय ने इन छात्रों के दोबारा परीक्षा कराने के आदेश दिए हैं, जो 23 जून को होंगे। नीट मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है, जिसपर 8 जुलाई को सुनवाई होगी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने पेपर रद करने और छम्ज्ञ परीक्षा की काउंसलिंग रोकने से इनकार कर दिया। नीट की काउंसलिंग 6 जुलाई से शुरू होगी, अगर पेपर रद होता है तो काउंसलिंग भी रद करनी होगी। ये बवाल चल ही रहा था कि एनटीए ने न्ळब्–छम्ज्ञ परीक्षा रद कर दी। सरकार ने परीक्षा रद करने के साथ ही मामले की सीबीआई जांच के आदेश दिए। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि अधिकारियों ने डार्कनेट पर प्रश्नपत्र पाए थे, जिसके बाद ये कदम उठाया गया। उन्होंने कहा कि प्रश्नपत्र टेलीग्राम पर भी प्रसारित हो रहा था।

इसके बाद एनटीए ने **CSIR&UGC&NET** परीक्षा भी स्थगित कर दी है। एनटीए ने इसके पीछे परिस्थितियों और लॉजिस्टिक समस्या को कारण बताया। परीक्षा के आयोजन का संशोधित कार्यक्रम आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से बाद में घोषित होगा। संयुक्त ब्ैट्–न्ळब्–छम्ज्ञ परीक्षा जूनियर रिसर्च फेलोशिप और विज्ञान पाठ्यक्रमों में पीएचडी में प्रवेश के लिए पात्रता निर्धारित करने के लिए आयोजित की जाती है।

इन सब बवाल के बीच कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला किया। कांग्रेस ने कहा कि एनटीए की एक और परीक्षा स्थगित कर दी गई। अब एनटीए युवाओं के लिए नरेंद्र मोदी की ट्रॉमा एजेंसी बन गई है।

इस बीच, केंद्र सरकार ने बीती रात प्रतियोगी परीक्षाओं में कदाचार और अनियमितताओं को रोकने के लिए एक नया कानून लागू कर दिया। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 को अधिसूचित किया गया है, जो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा मंजूरी दिए जाने के चार महीने बाद 21 जून को लागू हुआ।

यह कानून 9 फरवरी को राज्यसभा से पारित हो गया था। इसे 6 फरवरी को लोकसभा में पारित किया गया। इसे 12 फरवरी को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली। न्बै, कर्मचारी चयन आयोग रेलवे, बैंकिंग भर्ती परीक्षाएं और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (छज।) द्वारा आयोजित परीक्षाएं इस कानून के दायरे में आती हैं।इस कानून के तहत अब जो कोई भी पेपर लीक या परीक्षा में अनियमितता से जुड़े अपराधों में शामिल होगा उसे पांच से 10 साल की कैद और न्यूनतम 1 करोड़ का जुर्माना देना होगा। शिक्षा मंत्री ने पेपर लीक को एनटीए की संस्थागत विफलता बताया है। उन्होंने कहा कि मामले में विशेषज्ञों की एक समिति बनाई गई है, जो एनटीए में सुधार की सिफारिश करेगी। नीट–यूजी 2024 परीक्षा में कथित पेपर लीक के तार गुजरात और बिहार से जुड़े हैं। इस आरोप में एक मेडिकल अभ्यर्थी सहित बिहार में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, गुजरात के गोदरा से 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया, इनके पास से 2 करोड़ 3 लाख के चेक, इलेक्ट्रानिक डिवाइस मिले हैं।

अमरेंद्र कुमार सेंगर लखनऊ के नए पुलिस कमिश्नर

लखनऊ। लखनऊ व प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर हटा दिए गए हैं। अमरेंद्र कुमार सेंगर लखनऊ के व आईपीएस तरुण गाबा प्रयागराज के नए पुलिस कमिश्नर होंगे। यूपी में शनिवार को कई आईपीएस अफसरों के तबादले हुए हैं। लखनऊ व प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर बदले गए हैं। आईपीएस अमरेंद्र कुमार सेंगर लखनऊ के नए पुलिस कमिश्नर होंगे। वहीं, आईपीएस तरुण गाबा को पुलिस कमिश्नर प्रयागराज नियुक्त किया गया है। आईपीएस राजेश द्विवेदी को एसपी कुंभ प्रयागराज के पद पर नियुक्ति दी गई है। आईपीएस एसबी शिराडकर को अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ नियुक्त किया गया है। वह अभी तक लखनऊ पुलिस कमिश्नर के पद पर थे। आईपीएस रमित शर्मा को अपर पुलिस महानिदेशक बरेली जोन बनाया गया है। आईपीएस प्रेमचंद मीना को एडीजी पुलिस आवास निगम लखनऊ नियुक्त किया गया है। आईपीएस प्रशांत कुमार द्वितीय को आईजी रेंज लखनऊ नियुक्त किया गया है। आईपीएस विनोद कुमार सिंह एडीजी साइबर क्राइम यूपी नियुक्त किए गए हैं। आईपीएस प्रकाश डी अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे बनाए गए हैं। आईपीएस जय नारायन सिंह को एडीजी पीटीसी सीतापुर नियुक्त किया गया है। इसी तरह, आईपीएस एलवी एंटनी देव को एडीजी सीबीसीआईडी यूपी नियुक्त किया गया है। आईपीएस रघुवीर लाल को एडीजी सुरक्षा के साथ एडीजी एसएसएफ की भी जिम्मेदारी दी गई है। आईपीएस के सत्यनारायण को अपर पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। आईपीएस बीडी पॉल्सन को अपर पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण नियुक्त किया गया है। आईपीएस विद्यासागर मिश्र को रामपुर का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। आईपीएस यमुना प्रसाद को डीसीपी नोएडा बनाया गया है।

रजही में लुटेरों को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला

गोरखपुर। कुशीनगर जिले के हाटा इलाके का रहने वाला युवक महिला मित्र के साथ बुधवार दोपहर एक बजे विनोद वन घूमने पहुंचा था। इस बीच बाइक सवार तीन बदमाश पहुंचे और अपने को पुलिसकर्मी बताकर जेल भेजने की धमकी देकर 50 हजार रुपये की मांग करने लगे। बदमाशों ने पुलिस का आई कार्ड भी दिखाया और प्रेमी युगल से पांच हजार रुपये लेने के साथ खाते से 4500 रुपये मोबाइल पर यूपीआई के माध्यम से ट्रांसफर करा लिए।

कुसम्ही जंगल के विनोद वन में घूमने आए कुशीनगर के प्रेमी युगल से लूटपाट करने वाले बदमाशों को रजहीं के टोला रमसरिया में गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस टीम पर बृहस्पतिवार रात परिवार वालों ने बैट और डंडे से हमला कर दिया।

पुलिस ने इस दौरान लूट के दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, पुलिस टीम पर हमला करने के आरोप में भी दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पर हमले के आरोप में भी केस दर्ज कर लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, कुशीनगर जिले के हाटा इलाके का रहने वाला युवक महिला मित्र के साथ बुधवार दोपहर एक बजे विनोद वन घूमने पहुंचा था। इस बीच बाइक सवार तीन बदमाश पहुंचे और अपने को पुलिसकर्मी बताकर जेल भेजने की धमकी देकर 50 हजार

रुपये की मांग करने लगे।

बदमाशों ने पुलिस का आई कार्ड भी दिखाया और प्रेमी युगल से पांच हजार रुपये लेने के साथ खाते से 4500 रुपये मोबाइल पर यूपीआई के माध्यम से ट्रांसफर करा लिए। पुलिस ने केस दर्ज कर एक आरोपी देवरिया जिले के कोतवाली इलाके के वार्ड नंबर 19 निवासी हिस्ट्रीशीटर रजनीश तिवारी को बृहस्पतिवार को ही गिरफ्तार कर लिया था।

लूट में शामिल दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार करने में पुलिस को एम्स क्षेत्र के रामगढ़ उर्फ रजहीं टोला रमसरिया में उनके परिवारों वालों से मोर्चा लेना पड़ा। बृहस्पतिवार देर रात पुलिस टीम जब आरोपियों के घर पहुंची तो परिवार वालों ने बैट और डंडे से पुलिस टीम पर हमला बोल दिया।

पुलिस ने साहस दिखाते हुए आरोपी डायना उर्फ दयाशंकर उर्फ देवेंद्र निषाद और अभिषेक राजभर को गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस टीम पर हमला करने के आरोप में पुलिस ने राजवीर निषाद और सक्षम उर्फ साहिल को भी गिरफ्तार कर लिया। इन दोनों पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया है।

दो हैं हिस्ट्रीशटर, एक पर लग चुका है गैंगस्टर

कुशीनगर के प्रेमी युगल से लूटपाट की घटना को अंजाम देने वाले रजनीश तिवारी, डायना उर्फ दयाशंकर और अभिषेक राजभर शातिर बदमाश हैं। रजनीश तिवारी पर अयोध्या, मऊ, बलिया, देवरिया और गोरखपुर के विभिन्न थानों में लूट, डकैती, रंगदारी समेत अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज है।

रजनीश पर बलिया और मऊ जिले में गैंगस्टर की कार्रवाई भी हो चुकी है। इसी तरह खारोबार थाने के दोनों हिस्ट्रीशीटर डायना उर्फ दयाशंकर पर 11 और अभिषेक राजभर पर 9 केस खोराबार और एम्स थाने में दर्ज हैं। तीनों अपने पास पुलिस का आई कार्ड रखते थे, जिसके जरिए विनोद वन और कुसम्ही जंगल में घूमने आने वालों से वसूली करते थे। पुलिस ने चारों आरोपियों को शुक्रवार को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भिजवा दिया गया।

सीओ कैंट अंशिका वर्मा ने बताया कि विनोद वन में प्रेमी युगल से लूटपाट करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर हमला करने के आरोप में भी दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भिजवाया दिया गया है। आरोपियों पर कई केस पहले से दर्ज हैं, आगे और भी कार्रवाई की जाएगी।

'हमें सरकार में ढक्कन बनाकर रखा गया है..

देवरिया। वायरल ऑडियो में क्षेत्रीय अध्यक्ष को अपशब्दों से नवाजे जाने के साथ ही उनको और एक एमएलसी को मुख्यमंत्री का करीबी बताया जा रहा है। हालाकि यह ऑडियो राज्यमंत्री का है या नहीं इसकी पुष्टि अमर उजाला नहीं करता है। स्थानीय विधायक व प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम का कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत का सोशल मीडिया पर चल रहा ऑडियो सुर्खियों में छा गया है। ऑडियो में राज्यमंत्री अपने को प्रदेश सरकार में केवल ढक्कन जैसा रखे जाने की बात कह रही हैं। यह भी बोल रही हैं कि मुख्यमंत्री द्वारा उनकी बातों को नजरंदाज कर दिया जा रहा है। राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम की कार्यकर्ताओं के बीच हो रहे बातचीत का ऑडियो किसी ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिसमें राज्यमंत्री कह रही हैं कि विकास कार्यो में धन आवंटन में विषमता की जा रही है। गोरखपुर के विकास के लिए एक बार 600 करोड़ और एक बार 400 करोड़ का बजट दिया गया है। गोरखापुर में सभी नाला, नाली पर तेजी से कार्य कराया जा रहा है। पार्टी में हम लोगों की जरूरत है, लेकिन मुख्यमंत्री द्वारा मुझे उपेक्षित किया जा रहा है। मुझे इस समय सरकार में केवल ढक्कन बनाकर रखा गया है। क्योंकि मुख्यमंत्री जानते हैं कि ये हमारी नहीं है।

सम्पादकीय

पेपर लीक की अगली कड़ी

मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी एनटीए की स्थापना 2017 में की गई थी

मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी एनटीए की स्थापना 2017 में की गई थी, जिसके ऊपर उच्च शिक्षा और विभिन्न सरकारी संस्थानों में प्रवेश के लिए होने वाली परीक्षाओं को आयोजित कराने की महती जिम्मेदारी है। देश में जिस तरह एक के बाद एक परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक के अपराध हो रहे हैं, उसके बाद एनटीए को ही परीक्षा की कसौटी से गुजरने की जरूरत है कि आखिर इस एजेंसी की उपयोगिता है भी या नहीं। देश भर में अभी नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ी का मामला सुलझा नहीं है कि अब यूजीसी नेट की परीक्षा भी रद्द कर दी गई है। क्योंकि इसमें भी धांधली की आशंकाएं हुई हैं। गौरतलब है कि 18 जून मंगलवार को देश भर में दो शिफ्टों में यूजीसी–नेट जून 2024 की परीक्षा आयोजित की गई थी। लेकिन शिक्षा मंत्रालय ने अब इस परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया है। मंत्रालय के बयान के मुताबिक परीक्षा के अगले ही दिन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को गृह मंत्रालय के इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर से परीक्षा के बारे में कुछ इनपुट मिले, जिनके विश्लेषण से प्रथम दृष्टया लगता है कि इसमें गड़बड़ी हुई है। मंत्रालय ने यह भी बताया है कि इस गड़बड़ी की जांच का जिम्मा सीबीआई को सौंपा गया है। कितने खेद की बात है कि जिस भारत को विश्वगुरु बनाने के दावे सरकार करती रही, जहां ज्ञान की परंपरा की शेखी बघारने से सत्ताधीशों को फुर्सत नहीं मिलती। वहां अब स्थिति ऐसी हो गई है कि परीक्षा में धांधली की जांच सीबीआई को करनी पड़ रही है। केन्द्रीय जांच ब्यूरो के बारे में यही आम धारणा है कि अपराध गंभीर किस्म का हो, तब सीबीआई उसकी जांच करता है। यानी यूजीसी नेट की परीक्षा में अवश्य कोई इतना गंभीर खेल खेला गया होगा, या बड़े शक्तिशाली लोगों का इसमें हाथ रहा होगा, तभी इसकी जांच सीबीआई को सौंपी गई है।

देश भर के विश्वविद्यालयों में जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) और असिस्टेंट प्रोफेसर पद के चयन के लिए यूजीसी नेट की परीक्षा करवाई जाती है। हर साल लाखों विद्यार्थी इसमें बैठते हैं। इस बार भी 9 लाख 8 हजार 580 विद्यार्थियों ने यह परीक्षा दी। लेकिन अब इन लाखों बच्चों के सामने फिर अगली बारी का इंतजार खड़ा कर दिया गया है। इनमें से न जाने कितने छात्र–छात्राएं कठिन हालात में उच्च शिक्षा हासिल करने आए होंगे, कितनों को जल्द से जल्द अपने पैरों पर खड़ा होने की जरूरत होगी, ताकि वे घर वालों के लिए बोझ न बनें। रद्द हुई परीक्षा दोबारा कब होगी, और इस बार जिन कारणों से परीक्षा को खारिज करवाया गया, क्या वे कारण अगली बार मौजूद नहीं रहेंगे, क्या जो गड़बड़ी अभी पकड़ ली गई, क्या अगली बार उसे दोहराया नहीं जाएगा या कोई और धांधली नहीं होगी, क्या ऐसी पुख्ता व्यवस्था सरकार कर पाएगी। इन सवालों के जवाब इन 9 लाख विद्यार्थियों को सरकार से मांगने चाहिए।

2018 से एनटीए इस परीक्षा को आयोजित कराती आई है और हमेशा कंप्यूटर से ही यह परीक्षा होती रही है, लेकिन इस साल एनटीए ने फैसला लिया कि छात्र अलग–अलग केंद्रों पर एक साथ पेन, पेपर की मदद से यह परीक्षा देंगे। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह फैसला परीक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने और छात्रों से मिली प्रतिक्रियाओं के आधार पर लिया गया। लेकिन सवाल किया जा सकता है कि परीक्षा को बेहतर बनाने के लिए कंप्यूटर छोड़कर पेन–पेपर के इस्तेमाल का विचार ही क्यों आया, क्या बेहतरी के लिए कोई और तरीका नहीं सूझा। सवाल यह भी है कि पेन–पेपर से ली गई परीक्षा में गड़बड़ी की भनक साइबर सेल को किस तरह से लगी और यह किस तरह की गड़बड़ थी। क्या यह पेपर लीक की श्रृंखला में ही एक और कड़ी का जुड़ना है। क्या एनटीए में अब ऐसे लोगों की पैठ हो गई है जो परीक्षा माफिया के इशारों पर काम कर रहे हैं।

ध्यान रहे कि नीट की परीक्षा भी एनटीए ने ही आयोजित कराई थी। जिसमें कमाल यह हुआ था कि 24 लाख अभ्यर्थियों में 67 छात्रों को 720 में से 720 अंक मिले थे, वहीं कुछ ऐसे भी छात्र थे जिन्हें 718 या 719 अंक हासिल हुए थे। इसी से गड़बड़ी की आशंका हुई और अब मामला सुप्रीम कोर्ट में है। नीट पर सरकार ने पहले गड़बड़ी होने से साफ इंकार कर दिया था, लेकिन यूजीसी–नेट परीक्षा के मामले में सरकार ने क्लीन चिट देने की हड़बड़ी नहीं दिखाई और जांच शुरु करवा दी।

हालांकि दोनों ही परीक्षाओं में लाखों युवाओं के साथ क्रूर खेल करने वालों को क्या कड़ी सजा मिलेगी, या वे सस्ते में छूट जाएंगे, ये देखना होगा। विचारणीय बात यह भी है कि एनटीए और शिक्षा मंत्रालय में मंत्री महोदय से लेकर इन परीक्षाओं के संचालन की जिम्मेदारी उठा रहे लोगों ने अब तक कोई नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश क्यों नहीं की है। कांग्रेस ने पूछा है कि परीक्षा पर चर्चा करने वाले प्रधानमंत्री पेपर लीक पर चर्चा क्यों नहीं करते हैं। राहुल गांधी ने बड़ा तंज किया है कि यूक्रेन का युद्ध रुकवाने वाले पेपर लीक क्यों नहीं रुकवाते। कांग्रेस इस मुद्दे पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने जा रही है, साथ ही संसद सत्र में भी पेपर लीक का मुद्दा विपक्ष उठाएगा। बेहतर होगा प्रधानमंत्री इस बार जवाब देने के लिए पूरा गृहकार्य करके आएं और विपक्ष के साथ–साथ पूरे देश को संतुष्ट करने वाले जवाब दें। हर बार अतीत के गौरवगान से मामला नहीं संभलेगा।

मंत्री जी को ही कुछ पता नहीं है

किसी जमाने में कर्ज की अदायगी और प्रतिरक्षा हमारे बजट में खर्च का सबसे बड़ा आइटम

केजरीवाल के खिलाफ मुकदमों के नतीजे पर टिका आप का राजनीतिक भविष्यप्रधानमंत्री के अभद्र भाषण पर अग्नि परीक्षा में खरा नहीं उतरा चुनाव आयोग हर तरफ से इसी तरह की गड़बड़ी की खबरें आ रही हैं और इस धंधे के लगातार चलाने की बात भी पुष्ट हो रही है लेकिन मंत्री जी ही एकदम अनजान बने बैठे हैं और अभी भी अदालत से निर्देश मिलने का पालन होने की बात करते हैं। अगर अदालत को ही सब कुछ करना है तो आप किस लिए बने हैं। और तय मानिए कि अदालत भी आंख बंद नहीं करने वाली है क्योंकि चालीस से ज्यादा मुकदमे हो चुके हैं और रोज नए सबूतों के साथ परीक्षार्थियों के आरोप सही साबित हो रहे हैं।

किसी जमाने में कर्ज की अदायगी और प्रतिरक्षा हमारे बजट में खर्च का सबसे बड़ा आइटम हुआ करते थे। सूद और कर्ज की अदायगी का अनुपात भी पहले से कुछ काम हुआ है लेकिन रक्षा बजट काफी छोटा हो गया है। कायदे से इस बदलाव के बाद शिक्षा और स्वास्थ्य का बजट बढ़ना चाहिए क्योंकि विकसित देश होने की यह शर्त जैसी है कि जो जितना विकसित वह स्वास्थ्य और शिक्षा पर उतना ज्यादा बजट खर्च करता है। इस बीच यह बदलाव भी हुआ है कि राजनैतिक रूप से भले ही रक्षा, गृह, विदेश और वित्त मंत्री ज्यादा महत्व पाते हों लेकिन असली महत्व के मामले में वाणिज्य, सूचना तकनीक, सड़क परिवहन और विदेश व्यापार प्रमुखता पाने लगे हैं। एक जमाने में संचार मंत्रालय भी काफी भाव पा रहा था। पर इन सबके बीच वह मंत्रालय, जिसे शिक्षा का काम संभालना है लेकिन नाम मानव संसाधन विकास कर दिया गया है, लगातार अपना भाव बढ़ाता गया है। कभी तो इसके मंत्री को प्रधानमंत्री के बाद सबसे ज्यादा महत्व वाला माना जाता था। इधर जरूर हुआ है कि चुनाव हारकर भी मंत्री बनी स्मृति ईरानी(जिनकी डिग्री का विवाद भी प्रधानमंत्री की डिग्री की तरह ही चर्चा में रहा) और धर्मेन्द्र प्रधान जैसों के मंत्री बनने से शिक्षा विभाग लगातार कई तरह के विवादों में रहा है और इस पद का महत्व भी कम हुआ है।

जिस तरह से देश भर के मेडिकल कालेजों में दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा 'नीट्य के नतीजों को लेकर विवाद हुआ है हमको–आपको सभी को इस विभाग और इसके काम का महत्व समझ में आने लगा है। महत्व तो इसके मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को ज्यादा मालूम है लेकिन वे कुछ ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे वे इस पूरे काम से कुछ परेशान हों। और इस परेशानी में वे रह–रह कर एक एक कदम उठा रहे हैं जो मजबूरी या अदालती आदेश का दबाव ज्यादा लगता है, अपने विभाग का दोष या गलती सुधारने की इच्छा से उठाया गया कदम नहीं लगता। और जिस तरह से वे परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी को लगातार दोषमुक्तकरते जा रहे हैं और परीक्षार्थियों/अभिभावकों को झूठे आश्वासन दिए जा रहे हैं वह बताता है कि वे सब कुछ जानकार भी अनजान बनने की कोशिश कर रहे हैं। परीक्षा के दिन से ही नहीं उससे पहले से हंगामा है और वे अनजान दिखते हैं जबकि वे ही पुराने शिक्षा मंत्री भी हैं। जिन कुछ मंत्रियों को पुराने विभाग वापस मिले हैं उनमें धर्मेन्द्र प्रधान भी हैं। इसका तत्काल यह नतीजा निकालने की जरूरत नहीं है कि खुद उनकी इस घोटाले में संलिप्तता है लेकिन यह जरूर पूछा जा सकता है कि उनको कैसे पता नहीं था।

परीक्षा का फार्म भरने की तारीख बीतने के बाद अचानक फार्म लेने वाला विंडो खुला और चौबीस हजार फार्म जमा हो गए। ज्यादातर गड़बड़ इनको लेकर है। फिर बिना किसी वजह के कुछ छात्रों को अनुग्रह अंक–ग्रेस मार्क्स दे दिए गए। गड़बड़ पकड़ी गई तो मंत्री जी ने ग्रेस मार्क्स हटाने या दोबारा परीक्षा का विकल्प दे दिया मानो एक जगह की गड़बड़ से दूसरे का कोई रिश्ता ही न हो। रिजल्ट अपूर्व हो गया और कट–आफ मार्क्स किसी की कल्पना से ऊपर पहुंच गया। इतने टापर हो गए कि गिनना मुश्किल। पूरे–पूरे अंक लेकर टाप करने वाले छह टापरों वाले केंद्र का स्कूल संचालन भाजपा के एक विवादास्पद नेता के पास था। इंटर फेल भी टापरों में था तो दूसरी प्रवेश परीक्षाओं के टापर फेल हो गए। कुछ केंद्र के बच्चों का रिजल्ट आश्चर्यजनक अच्छा हुआ तो कई कई राज्यों के कुछ बच्चे हजारों मील दूर गुजरात के एक केंद्र पर परीक्षा देने गए और ज्यादातर पास हो गए। कई बच्चों ने जबाब न आने पर स्थान खाली छोड़ दिया जिसे बाद में भरे जाने की पुष्टि हुई है। परीक्षा के दिन ही एक बड़े हिन्दी अखबार ने अपने सभी संस्करणों में पटना में सवाल कई दिन पहले लीक होने की खबर छापी। बच्चों को प्रश्नपत्र देकर जवाब का अभ्यास कराया गया। पटना पुलिस ने कुछ लोगों को गिरफ्तार किया और जलाए गए प्रश्न–पत्र पकड़े। कुछ छात्र और अभिभावक भी पकड़े गए जिन्होंने इस गड़बड़ को कबूला। और हद तो तब हो गई जब तीस और चालीस लाख के पोस्ट–डेटेड चेक इन गिरोहबाजों के पास से मिले। अर्थात पूरा धंधा बहुत भरोसे और निश्चिंत भाव से चल रहा था।

हर तरफ से इसी तरह की गड़बड़ी की खबरें आ रही हैं और इस धंधे के लगातार चलाने की बात भी पुष्ट हो रही है लेकिन मंत्री जी ही एकदम अनजान बने बैठे हैं और अभी भी अदालत से निर्देश मिलने का पालन होने की बात करते हैं। अगर अदालत को ही सब कुछ करना है तो आप किस लिए बने हैं। और तय मानिए कि अदालत भी आंख बंद नहीं करने वाली है क्योंकि चालीस से ज्यादा मुकदमे हो चुके हैं और रोज नए सबूतों के साथ परीक्षार्थियों के आरोप सही साबित हो रहे हैं। बच्चे भी भीषण गर्मी के बावजूद सड़कों पर उतरे हुए हैं क्योंकि उनके लिए तो जीवन–मरण का सवाल है। और यह खेल सिर्फ नीट की परीक्षा में हुआ हो यह संभव नहीं है। हर परीक्षा शक के दायरे में है और आधी से ज्यादा परीक्षाओं में तो प्रश्नपत्र लीक होने की बात भी सामने आ रही है। कोचिंग सेंटर और शिक्षा माफिया का तंत्र पूरी शिक्षा व्यवस्था, और उसमें भी खास तौर से प्रवेश परीक्षाओं को अपनी गिरफ्त में ले चुका है। और हर परीक्षा केन्द्रीय स्तर पर और अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित होने से उसका संचालन चुस्त–दुरुस्त ढंग से करा पाना असंभव बन गया है। दूर–दराज के और असुरक्षित परीक्षा केंद्र बनाना, थोड़े से पैसों के लिए बिकने वाले स्टाफ को भी साथ रखने की मजबूरी है। और फिर पूरे विभाग की 'कमाईय और माखन–मिश्री का इंतजाम इसी से होता है। टेक्स्ट–बुक और इस तरह की पुरानी धांधलियां कम हुई हैं।

जब भाजपा के ही शिक्षा मंत्री डा. मुरली मनोहर जोशी और उनके ईमानदार अधिकारियों की टोली हर राज्य वाली प्रवेश परीक्षाओं को खत्म करके एक अखिल भारतीय पाठ्यचर्या और परीक्षा का इंतजाम करने की धुन में लगे थे तब उनको शायद खयाल नहीं रहा कि धंधेबाज प्रभावी होंगे तो यही व्यवस्था किस तारक लड़के–लड़कियों के लिए जी का जंजाल बन जाएगी। आज भी तमिलनाडु की स्टालिन सरकार परीक्षा को राज्य स्तर पर कराने की मुहिम चला रही है लेकिन केंद्र से न यह संभाल रहा है न वह इस जिम्मा को छोड़ने के मूड में है। और यह शिक्षा के सुधार और एक रूपता से ज्यादा धंधे की चीज बन गया है जिसका प्रमाण यह नीट घोटाला है। और प्रधान मंत्री अगर इस सवाल पर कोई चिंता रखते हैं या अपनी छवि के लिए ही सचेत हैं तो उन्हें बड़े कदम उठाने ही होंगे।

चंद्रबाबू नायडू की मोदी की एनडीए सरकार में स्थिति महत्वपूर्ण

राज्य के लिए, चंद्रबाबू फिर से राज्य के सीईओ बन गए हैं। मुख्यमंत्री के रूप में, नायडू ने अपने पहले के कार्यकाल में बिल गेट्स जैसे तकनीकी दिग्गजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। उन्होंने हैदराबाद में निवेश के अवसर लाये और इसे साइबराबाद में बदल दिया। उन्होंने विश्व बैंक जैसी एजेंसियों से बुनियादी ढांचे के लिए धन प्राप्त किया और हैदराबाद का समग्र विकास किया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में चंद्रबाबू नायडू का शपथ ग्रहण नायडू के लिए व्यक्तिगत रूप से, तथा उनकी पार्टी और भारतीय राजनीति के लिए भी एक महत्वपूर्ण घटना थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य शीर्ष भाजपा नेताओं ने 74 वर्षीय राजनेता को चौथी बार शपथ लेते हुए देखा, जो एक महत्वपूर्ण राजनीतिक वापसी का प्रतीक है। दो दशकों से अधिक समय तक राज्य और राष्ट्रीय राजनीति में हाशिए पर रहने के बावजूद, नायडू आभारी हैं। उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया है कि किसी राजनेता को तब तक कम नहीं आंकना चाहिए जब तक कि वह खेल से बाहर न हो जाये।

केंद्र में मोदी की एनडीए सरकार में दूसरे सबसे बड़े समूह के रूप में तेलुगु देशम पार्टी के साथ–साथ मुख्यमंत्री के रूप में नायडू की वापसी, सत्ता की गतिशीलता में बदलाव का संकेत देती है। एक साल पहले, चंद्रबाबू के पूर्ववर्ती जगन मोहन रेड्डी एक और कार्यकाल जीतने के लिए आरामदायक स्थिति में थे। उस समय विपक्ष विभाजित था, पवन कल्याण टीडीपी के साथ नहीं थे, और भाजपा अभी भी यह तय कर रही थी कि टीडीपी को फिर से एनडीए गठबंधन में शामिल होने दिया जाये या नहीं। बाबू पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था, और टीडीपी कार्यकर्ता निराश थे।

नायडू की वापसी में कई कारकों ने योगदान दिया। सत्ता विरोधी भावना के अलावा, पवन कल्याण की जनसेना, भाजपा और टीडीपी के जातीय गठबंधन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जगन द्वारा बुनियादी ढांचे और कृषि की उपेक्षा ने भी लोगों को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिसने नायडू के पुनरुत्थान में और योगदान दिया।

नायडू अपने राजनीतिक संकट से बच निकले हैं। उन्होंने 1978 में एक जूनियर मंत्री के रूप में अपना राजनीतिक जीवन शुरू किया और तब से तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) में विभिन्न पदों पर रहे हैं। उन्होंने कई बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया है, महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं की देखरेख की है और राजनीतिक विवादों का सामना किया है। इन सबके दौरान, नायडू ने अपनी अडिग भावना को बनाये रखा।

नायडू ने घोषणा की है कि 2024 का चुनाव उनका आखिरी चुनाव होगा, यह कदम मतदाताओं को भावनात्मक रूप से आकर्षित करने के साथ–साथ अपने बेटे लोकेश को अपना उत्तराधिकारी बनाने के लिए उठाया गया है। यह रणनीतिक निर्णय आंध्र प्रदेश की राजनीति में नायडू वंश के भविष्य को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है।

पहले, चंद्रबाबू अपने ससुर और तेलुगु देशम प्रमुख एनटी रामा राव की छाया में रहे, लेकिन अंततः अपरिहार्य बन गये। उन्होंने राष्ट्रीय मोर्चा और संयुक्तमोर्चा सरकारों के दौरान राष्ट्रीय राजनीति में बहुमूल्य अनुभव और अंतर्दृष्टि प्राप्त की। उनकी पार्टी वी पी सिंह, देवेगौड़ा, आई के गुजराल और वाजपेयी सरकारों का हिस्सा थी, जो दर्शाता है कि कोई भी पार्टी अछूती नहीं थी।

नायडू और उनकी पार्टी का विभिन्न केंद्र सरकारों के साथ उतार–चढ़ाव भरा रिश्ता रहा है। हालांकि, मोदी सरकार में उनकी वर्तमान भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मोदी सरकार के लिए टीडीपी के समर्थन के साथ, नायडू आंध्र प्रदेश के हितों के लिए बातचीत करने और वकालत करने की स्थिति में हैं।

राज्य के लिए, चंद्रबाबू फिर से राज्य के सीईओ बन गए हैं। मुख्यमंत्री के रूप में, नायडू ने अपने पहले के कार्यकाल में बिल गेट्स जैसे तकनीकी दिग्गजों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। उन्होंने हैदराबाद में निवेश के अवसर लाये और इसे साइबराबाद में बदल दिया। उन्होंने विश्व बैंक जैसी एजेंसियों से बुनियादी ढांचे के लिए धन प्राप्त किया और हैदराबाद का समग्र विकास किया। हालांकि, गलती यह थी कि उन्हें राज्य के अन्य हिस्सों के विकास पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए था।

अपने चौथे कार्यकाल में, नायडू को देश के चावल के कटोरे के रूप में कभी आंध्र प्रदेश के महत्व को वापस लाने का अवसर लेना चाहिए। नायडू की सर्वोच्च प्राथमिकता आंध्र प्रदेश के लिए अतिरिक्त धन प्राप्त करना है, जो राज्य के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आंध्र प्रदेश के विकास के लिए नायडू के दृष्टिकोण में राज्य के कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पोलावरम परियोजना जैसी लंबे समय से लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पुनर्जीवित करना शामिल है। अपनी पार्टी के समर्थन से, नायडू राज्य के संसाधनों को अधिकतम करने और विकास को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ हैं।

मोदी कैबिनेट में टीडीपी द्वारा केवल एक कैबिनेट मंत्री और एक राज्य मंत्री को सुरक्षित करने के बारे में पूछे गये सवाल पर उन्होंने कहा, 'जब राज्य के हितों की बात आती है तो हम नरेंद्र मोदी कैबिनेट की संरचना पर बातचीत नहीं कर रहे हैं।य हालांकि, टीडीपी को अभी भी अगले विस्तार के दौरान अधिक पद हासिल करने की उम्मीद है।

दूसरा महत्वपूर्ण कार्य आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती का निर्माण करना है। उनके पूर्ववर्ती जगन मोहन रेड्डी ने अपने दो कार्यकालों के दौरान इस महत्वाकांक्षी परियोजना को स्थगित कर दिया था। अब जब चंद्रबाबू वापस प्रभारी बन गये हैं, तो उनका लक्ष्य अमरावती को पूरा करना है। वह राजधानी के निर्माण और विभिन्न नयी परियोजनाओं के लिए धन सुरक्षित करने के साथ–साथ अपनी छह कल्याणकारी योजनाओं के लिए केंद्र पर दबाव डालेंगे। शो मैन होने के नाते, वह अमरावती को एक आदर्श राजधानी के रूप में पेश करना चाहेंगे। ने

राज्य गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। धन की भारी कमी है, कुल ऋ ण लगभग 14 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें विभिन्न स्रोतों से उधार लिये गये1 2 लाख करोड़ रुपये और 1.5 लाख करोड़ रुपये के लंबित बिल शामिल हैं। अपने चार दशक के राजनीतिक जीवन के दौरान, 74 वर्षीय नायडू ने खुद को जीवित रहने वाला साबित किया है। वह अपने पहले और दूसरे कार्यकाल में अपने समय से बहुत आगे थे। उन्होंने खुद को एक दूरदर्शी, प्रौद्योगिकी समर्थक और तकनीक–प्रेमी मुख्यमंत्री के रूप में पेश किया।

माहौल बहुत बढ़िया है, क्योंकि नायडू को किंगमेकर का श्रेय मिला है। मोदी सरकार का हिस्सा होने से उन्हें सत्ता साझा करने का मौका मिलता है। विधानसभा में उनके पास कोई विपक्ष नहीं है, वाईएसआरसीपी सिर्फ11सीटों पर सिमट गई है। टीडीपी को मुसलमानों के लिए आरक्षण के मुद्दे को संबोधित करने की ज़रूरत है। यह विषय भाजपा के साथ टकराव का कारण बन सकता है। मोदी के साथ नायडू के सकारात्मक संबंध एक साल तक चलने की उम्मीद है, जिसके बाद वे इस मुद्दे पर मोदी सरकार पर दबाव बना सकते हैं। इसके अलावा, टीडीपी को भ्रष्टाचार के मामले को सुलझाना चाहिए क्योंकि नायडू फिलहाल जमानत पर हैं। अपने चौथे कार्यकाल में उनका आचरण उनके और उनके बेटे लोकेश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

रुद्रपुर में बुजुर्ग की गला रेतकर हत्या

बंद ईंट भट्ठा के ऑफिस में सो रहे थे दंपति

देवरिया। रुद्रपुर नगर के दूधनाथ बनकट वार्ड में एक बुजुर्ग की किसी ने गला रेतकर हत्या कर दी। वह अपनी पत्नी के साथ एक बंद पड़ा ईंट भट्ठा पर सो रहे थे। घटना बृहस्पतिवार की रात 11 बजे की है। पुलिस हत्यारे का पता लगाने में जुटी है। रुद्रपुर नगर के दूधनाथ बनकट वार्ड में एक बुजुर्ग की किसी ने गला रेतकर हत्या कर दी। वह अपनी पत्नी के साथ एक बंद पड़ा ईंट भट्ठा पर सो रहे थे। घटना बृहस्पतिवार की रात 11 बजे की है। पुलिस हत्यारे का पता लगाने में जुटी है।

दूधनाथ बनकट वार्ड के रहने वाले राजबंश (65) अपनी पत्नी शर्मी देवी के साथ ईंट भट्ठे पर सो रहे थे। भट्ठा तीन साल से बंद है। बंद भट्ठे की राजबंश रखवाली करते थे। वह ऑफिस में चौकी पर तथा उनकी पत्नी शर्मी देवी नीचे जमीन पर सो रही थी। रात को किसी ने धारदार हथियार से चौकी पर सो रहे बृद्ध का गला रेत दिया। श्वास नली कट जाने से उनकी मौत हो गई। उनकी पत्नी ने बताया कि हत्यारे तीन की संख्या में थे। राजबंश के छटपटाने पर उनकी नीद खुली तो उन्होंने हत्यारों को भागते हुए देखा। आधी रात को मुहल्ले के लोगो ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुची पुलिस घटना की जांच में जुटी है। घटना स्थल को सील कर दिया गया है। मृतक की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। पुलिस हत्या के कारण का पता लगा रही है। मृतक के दो बेटे हरिओम और भीम दिल्ली में रोजी रोटी कमा रहे हैं। इस बाबत सीओ अंशुमन श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस मामले की गम्भीरता से जांच कर रही है। घटना को अंजाम देने वालों का खुलासा हो जाएगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच के लिए फॉरेंसिक टीम बुलाई जा रही है।

बंद घर में खून से लथपथ मिला युवक का शव

शरीर के हिस्सों पर मिले चोट के निशान– आने लगी थी बदबू

देवरिया। देख लोग हत्या की आशंका जता रहे थे। पंचनामा के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेज दिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के तिलौली सोहनाग गांव निवासी उपेंद्र गुप्ता (25) वर्ष पुत्र रामदेनी गुप्ता घर पर अकेला रहता था। उसके दो भाई मुंबई में रहकर प्राईवेट जॉब करते हैं। बृहस्पतिवार की सुबह उसके मकान से दुर्गंध आने लगी। सलेमपुर के एक बंद घर में एक युवक का शव बरामद हुआ। वह घर पर अकेला रहता था। दुर्गंध आने पर बृहस्पतिवार की सुबह ग्रामीणों ने कोतवाली पुलिस को अनहोनी की आशंका जताते हुए सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के मौजूदगी में बंद घर का ताला खुलवाकर देखा तो एक कमरे में बेड के नीचे एक युवक का शव पड़ा हुआ था, जिसके सिर और पेट पर चोट के निशान थे। देख लोग हत्या की आशंका जता रहे थे। पंचनामा के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेज दिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के तिलौली सोहनाग गांव निवासी उपेंद्र गुप्ता (25) वर्ष पुत्र रामदेनी गुप्ता घर पर अकेला रहता था। उसके दो भाई मुंबई में रहकर प्राईवेट जॉब करते हैं। बृहस्पतिवार की सुबह उसके मकान से दुर्गंध आने लगी। लोगों ने संदेह होने पर इसकी जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जब गेट का ताला तोड़कर अंदर गई तो एक कमरा में उपेंद्र का शव बेड के नीचे पड़ा हुआ था। यह देख सभी लोग अवाक हो गए। पुलिस ने उसके भाइयों को इसकी जानकारी दी। ग्रामीणों के मौजूदगी में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों के मुताबिक सोमवार की शाम वह घर पर दिखाई दिया था। लोगों का कहना था कि अगर वह बेड से गिरा होता तो पेट और सिर में इतनी गंभीर चोटें नहीं लगती। हालांकि इस मामले में कोतवाली पुलिस जॉच कर रही है। सीओ दीपक शुक्ला ने बताया कि घर के अंदर मिले शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

कुशीनगर में पुलिस एनकाउंटर

मुठभेड़ के बाद तीन पशु तस्कर गिरफ्तार, एक को लगी गोली, गोवंश को कराया गया मुक्त

गोरखपुर। तस्करों के पास से पुलिस ने एक तमंचा, एक कारतूस, एक खोखा, पांच गोवंश, एक वाहन बरामद किया है। पुलिस टीम ने घायल पशु तस्कर को इलाज के लिए सीएचसी तमकुहीराज भेजा है। कुशीनगर के स्थानीय थाना क्षेत्र के शिव सरया–समउर मार्ग स्थित नहर के समीप पुलिस व पशु तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में पुलिस ने तीन पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। एक तस्कर पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। चार पहिया वाहन से बिहार ले जा रहे पांच गोवंशों को मुक्त कराया गया। तमकुहीराज पुलिस टीम ने मुठभेड़ के दौरान तीन पशु तस्करों को प्रतिबंधित गोवंश के साथ मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। एक पशु तस्कर पुलिस की गोली से घायल हो गया, जबकि दो को पुलिस टीम ने दौड़ा कर हिरासत में लिया। तस्करों के पास से पुलिस

ने एक तमंचा, एक कारतूस, एक खोखा, पांच गोवंश, एक वाहन बरामद किया।

पुलिस टीम ने घायल पशु तस्कर को इलाज के लिए सीएचसी तमकुहीराज भेजा, जहां प्राथमिक उपचार के बाद रविंद्रनगर स्थित मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। दो पशु तस्कर पुलिस हिरासत में है। एएसपी दक्षिणी अभिनव त्यागी ने बताया शुक्रवार भोर में इंस्पेक्टर तमकुहीराज अतुल कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने क्षेत्र के शिव सरया–समउर मार्ग स्थित नहर के समीप वाहनों की जांच कर रही थी।

इसी दौरान गोवंश लदा एक टाटा गोल्ड वाहन आते हुए दिखाई दिया। पुलिस टीम ने जब रोकने का प्रयास किया तो तस्कर कुछ दूर वाहन खड़ा कर भागने लगे। ज़ब पुलिस टीम ने पीछा किया तो तस्करों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जबाबी कारवाई में पुलिस टीम ने एक पशु तस्कर तमकुहीराज थाना क्षेत्र के मोरवन मठिया निवासी इमाम हुसैन को पैर में गोली मार कर गिरफ्तार किया।

जबकि पटहेरवा थाना क्षेत्र के पड़री तिलक राय निवासी शफीक व तमकुहीराज थाना क्षेत्र के लतवा मुरलीधर निवासी अजीमुल्लाह को दौड़ा कर हिरासत में लिया व बिहार ले जा रहे पांच गोवंशो को मुक्त कराया गया।

पांच हजार दीजिए, तीन घंटे में मिल जाएगा आयुष्मान कार्ड– जमकर हो रही धंधेबाजी

गोरखपुर। जिले में करीब नौ लाख आयुष्मान कार्डधारक हैं। इन कार्डधारकों को पांच लाख रुपये तक के इलाज की सुविधा मिलती है। करीब ढाई सौ निजी अस्पताल आयुष्मान कार्डधारकों को इलाज की सुविधा देते हैं। इनमें से कई अस्पताल तो ऐसे हैं जो केवल आयुष्मान कार्डधारकों के भरोसे ही चल रहे हैं। आयुष्मान कार्डधारकों के लिए ऑपरेशन समेत महंगे इलाज का खर्च सरकार वहन करती है। आयुष्मान कार्ड के लिए मानक भी तय हैं और इसके लिए सूची भी बनी है। लेकिन इसमें भी अब धंधेबाजी शुरू हो गई है। सरकारी अस्पताल में घूम रहे निजी अस्पतालों के दलाल पांच हजार रुपये में दो से तीन घंटे में आयुष्मान कार्ड बनाकर दे दे रहे हैं। कार्ड एक्टिवेट होने के 12 घंटे बाद उपकरण की खरीद होगी और अगले पांच दिन बाद वह निरस्त भी हो जाएगा। एक्स–रे कक्ष के आसपास मंडराने वाले दलाल यहां से मरीज को सीधे पहले से तय निजी अस्पताल ले जाते हैं। वहां इलाज का खर्च वाजिब से डेढ़ गुना अधिक लिया जाता है।

जिले में करीब नौ लाख आयुष्मान कार्डधारक हैं। इन कार्डधारकों को पांच लाख रुपये तक के इलाज की सुविधा मिलती है। करीब ढाई सौ निजी अस्पताल आयुष्मान कार्डधारकों को इलाज की सुविधा देते हैं। इनमें से कई अस्पताल तो ऐसे हैं जो केवल आयुष्मान कार्डधारकों के भरोसे ही चल रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के एक्सरे और अल्ट्रासाउंड कक्ष के बाहर निजी अस्पतालों के दलाल घूमते रहते हैं। वह जैसे ही किसी मरीज को गंभीर अवस्था में देखते हैं तो वहां खुद ही किसी मरीज का तीमारदार बनकर बातचीत करने लगते हैं।

बातों–बातों में बीमार और डॉक्टर आदि का नाम पूछने के बाद उसे सरकारी खर्च पर ही निजी अस्पतालों में बेहतर इलाज का भरोसा दिलाते हैं। अगर मरीज के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है, तो उसे सिर्फ 5000 रुपये में ही आयुष्मान कार्ड भी मिल जाएगा।

दूसरे के नाम का ही होता है कार्ड

फर्जी आयुष्मान कार्ड बनाने का यह खेल एक खास सॉफ्टवेयर के चलते हो रहा है। एक जानकार ने बताया कि जिस मरीज के नाम पर कार्ड बनाना होता है, अगर उसका नाम सूची में नहीं है, उसके नाम के ही किसी दूसरे लाभार्थी के कार्ड को स्कैन कर नया कार्ड बना दिया जाता है। कार्ड बनने के 12 घंटे बाद ही उससे खरीदारी हो सकती है। इसलिए कार्ड तभी बनाया जाता है, जब मरीज संबंधित अस्पताल में भर्ती हो जाता है। उपकरणों की खरीद व ऑपरेशन के बाद इसे निरस्त भी कर दिया जाता है। आम तौर पर यह कार्ड पांच से सात दिन ही सक्रिय रहता है। इसके बाद इसे निरस्त कर दिया जाता है। सीएमओ डॉ आशुतोष दुबे ने बताया कि इस तरह की कोई लिखित शिकायत मेरे पास आज तक नहीं आई है। किसी ने मनगढंत कहानी बताई होगी। अगर कोई इससे प्रभावित है तो वह लिखित शिकायत व साक्ष्य प्रस्तुत करे, जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। आयुष्मान कार्ड से मरीजों को उपचार में काफी मदद मिलती है।

बाबा–दादा ने खरीदी बंदूक और रायफल, बच्चे कर रहे किनारा– अलसहों से करने लगे 'तौबा'

गोरखपुर। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर के निर्देश पर सभी थानों से पांच वर्ष या इससे अधिक समय से जमा असलहों की रिपोर्ट मांगी गई थी। इसके बाद थानेदारों ने अपने–अपने थाने में लंबे समय से जमा असलहों की रिपोर्ट पुलिस ऑफिस भेजी है। इसमें सबसे अधिक असलहे की संख्या गोला थाने में 95 और बड़हलगंज में 46 मिली है।

बाबा–दादा द्वारा बड़े शौक से खरीदी गई बंदूक, रायफल, पिस्टल और रिवाल्वर अब थानों में जंग खा रही हैं। उन्हें घर लाने में बच्चे जरा भी दिलचस्पी नहीं दिखा रहे। अब उनके लाइसेंस के नेस्तनाबूद होने का वक्त आया गया है। जिले में कई ऐसे थाने हैं, जहां 12–12 साल से असलहे जमा हैं।

थानों में पांच वर्ष से अधिक समय से 390 लाइसेंसी असलहे जमा हैं, जिन्हें चुनाव के दौरान थानों में जमा कर लाइसेंसधारकों ने इनकी कभी सुधि नहीं ली। मालखानों में जमा ऐसे असलहों के लाइसेंस निरस्त किए जाएंगे।

एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर के निर्देश पर सभी थानों से पांच वर्ष या इससे अधिक समय से जमा असलहों की रिपोर्ट मांगी गई थी। इसके बाद थानेदारों ने अपने–अपने थाने में लंबे समय से जमा असलहों की रिपोर्ट पुलिस ऑफिस भेजी है। इसमें सबसे अधिक असलहे की संख्या गोला थाने में 95 और बड़हलगंज में 46 मिली है।

गोला में एक असलहा 2012 से जमा है, जिसे लेने आज तक लाइसेंसधारक नहीं आया। वहीं, कई थानों में इसकी संख्या शून्य है। एसएसपी ने बताया कि अब यह रिपोर्ट डीएम को भेजी जाएगी। वहां से इन असलहों का निरस्तीकरण कराया जाएगा।

मृत 54 हिस्ट्रीशीटरों का थाने की सूची से हटेगा नाम

एसएसपी ने सभी थानों में हिस्ट्रीशीटर का सत्यापन करवाया है। जिले के थानों के 54 हिस्ट्रीशीटर ऐसे मिले हैं जिनकी मौत हो चुकी है और उनका नाम अभी भी सूची में है। एसएसपी ने मृत हिस्ट्रीशीटरों का नाम हटाने के लिए सभी थानों से रिपोर्ट मांगी है। थाना प्रभारी अपने क्षेत्र के मृत हिस्ट्रीशीटरों का मृत्यु प्रमाणपत्र या फिर ग्राम प्रधान व पार्षद से मृत्यु की सत्यापित कॉपी पुलिस ऑफिस में भेजेंगे। इसके बाद एसएसपी की अंतिम मुहर लगने के बाद मृत हिस्ट्रीशीटरों का नाम सूची से हटाया जाएगा।

इनाम रखवकर गैंगस्टर की होगी गिरफ्तारी

एसएसपी के निर्देश पर जिले में ऐसे गैंगस्टर जिनकी गिरफ्तारी अभी शेष है, उनकी गिरफ्तारी की जाएगी। साथ ही थाने के वांछित गैंगस्टर को पकड़ने के लिए इनाम रखा जाएगा।

15 दिन अभियान चलाकर चार्जशीट होगी दाखिल

एसएसपी के निर्देश पर 15 दिन का अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत सीओ को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे 15 दिन के अंदर वर्ष 2015 से अबतक लंबित चार्जशीट को पूरा करके कोर्ट में दाखिल करेंगे। इसके बाद कोर्ट से मिली रसीद का विवरण थाने के अपराध रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा। एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने बताया कि थानों के मालखाने में लंबे समय से असलहे जमा हैं। पांच साल व इससे अधिक समय से थानों में जमा असलहों की रिपोर्ट मंगा ली गई है। यह रिपोर्ट डीएम को भेजी जाएगी।

रीजनल स्टेडियम में टीएसआई ने कोच को पीटा, वीडियो वायरल– वर्दी पहने भांजते दिखे लाठी

गोरखपुर। वीडियो में दिख रहे टीएसआई की पहचान राकेश कुमार के रूप में हुई है। उसका बेटा वेटलिफ्टिंग का खिलाड़ी है। शाम को वह रीजनल स्टेडिमय में प्रैक्टिस करने पहुंचा था। इस दौरान पॉवरलिफ्टिंग और वेटलिफ्टिंग के खिलाड़ी रॉड लेकर आपस में भिड़ गए। इसमें दोनों के कोच भी शामिल हो गए। इसकी जानकारी मिलने पर यातायात पुलिस विभाग के टीएसआई राकेश कुमार कुछ लोगों के साथ पहुंच गए। रीजनल स्टेडियम में बुधवार की शाम वर्दी में पहुंचे टीएसआई ने पॉवर लिफ्टिंग के कोच प्रवीण कुमार पर डंडे से हमला कर दिया। इस दौरान स्टेडियम में प्रैक्टिस करने पहुंचे खिलाड़ियों में भगदड़ मच गई। किसी ने घटना का वीडियो बना लिया जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पीड़ित कोच ने टीएसआई के खिलाफ कैंट थाने में तहरीर दिया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है।

वीडियो में दिख रहे टीएसआई की पहचान राकेश कुमार के रूप में हुई है। उसका बेटा वेटलिफ्टिंग का खिलाड़ी है। शाम को वह रीजनल स्टेडिमय में प्रैक्टिस करने पहुंचा था। इस दौरान पॉवरलिफ्टिंग और वेटलिफ्टिंग के खिलाड़ी रॉड लेकर आपस में भिड़ गए। इसमें दोनों के कोच भी शामिल हो गए। इसकी जानकारी मिलने पर यातायात पुलिस विभाग के टीएसआई राकेश कुमार कुछ लोगों के साथ पहुंच गए। वह पॉवरलिफ्टिंग के कोच प्रवीण कुमार को देखते ही हमलावर हो गए। वायरल वीडियो में टीएसआई कोच के सिर पर पैर पर डंडे से प्रहार करते दिख रहे हैं। टीएसआई और उसके साथियों की हरकत से नाराज खिलाड़ी आंदोलित हो गए। उधर, पीड़ित कोच प्रवीण सिंह ने कैंट थाने में आरोपी टीएसआई एवं अन्य के खिलाफ मारपीट की तहरीर दी है। पुलिस मारपीट के घायल दोनों कोच दिलीप और प्रवीण कुमार के चिकित्सकीय जांच की कार्रवाई में जुट गई है।

आरएसओ ने दोनों कोच को किया तलब

पॉवरलिफ्टिंग और वेटलिफ्टिंग के खिलाड़ी रॉड को लेकर आपस में भिड़ गए थे। इसमें दोनों के कोच भी शामिल थे। इसी बीच वेटलिफ्टिंग के एक खिलाड़ी के पिता टीएसआई राकेश सिंह आए और वे भी मारपीट में शामिल हो गए। वेटलिफ्टिंग के कोच दिलीप और पॉवरलिफ्टिंग के कोच प्रवीण कुमार को आरएसओ ने बृहस्पतिवार को सुबह तलब किया है।

उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा लोगों ने गंवाई जान

लखनऊ। हीटवेव से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या अभी और बढ़ सकती है क्योंकि गर्मी संबंधी बीमारी और मौतों की सर्विलांस करने वाले नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने कई राज्यों के आंकड़ों को अभी तक अपडेट नहीं किया है। देश के अधिकाशं हिस्से इन दिनों भयंकर गर्मी और हीटवेव से जूझ रहे हैं। इस साल गर्मी का प्रकोप इतना खतरनाक रहा कि अब तक देश में गर्मी से रिकॉर्ड 143 लोगों की जान चली गई है। साथ ही 41,789 लोग हीटस्ट्रोक से पीड़ित हुए। गौरतलब है कि यह आंकड़े 1 मार्च से लेकर 20 जून तक के हैं। हीटवेव से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या अभी और बढ़ सकती है क्योंकि गर्मी संबंधी बीमारी और मौतों की सर्विलांस करने वाले नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने कई राज्यों के आंकड़ों को अभी तक अपडेट नहीं किया है। साथ ही कई स्वास्थ्य केंद्रों को भी हीटवेव से होने वाली मौतों का आंकड़ा अभी अपडेट करना है।

एक दिन में ही हुई 14 लोगों की मौत

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 20 जून को ही हीटस्ट्रोक के कारण 14 लोगों की मौत हुई है और नौ अन्य मौतों को लेकर भी आशंका है कि ये हीटस्ट्रोक की वजह से हुई हैं। इसके साथ ही मार्च–जून में गर्मी से मरने वालों की कुल संख्या 143 हो गई है। उत्तर प्रदेश सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है, जहां सबसे ज्यादा 35 लोगों की मौत हुई। वहीं दिल्ली में 21, बिहार और राजस्थान में 17–17 लोगों की मौत हीटवेव से हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने गर्मी को देखते हुए सभी अस्पतालों को एडवाइजरी जारी की है कि वे हीटवेव से पीड़ित मरीजों के लिए विशेष यूनिट बनाएं। अब स्वास्थ्य मंत्री ने अधिकारियों से अस्पतालों में जाकर इन विशेष यूनिट को चेक करने का निर्देश दिया है। साथ ही हीटवेव से हो रहीं मौतों की समीक्षा करने का भी निर्देश दिया है।

क्या हैं हीटस्ट्रोक के लक्षण

देश के कई हिस्से इन दिनों 50 डिग्री सेल्सियस के आसपास का तापमान झेल रहे हैं। तेज तापमान की वजह से शरीर का तापमान भी बढ़ रहा है। ज्यादा देर तक धूप में रहने के चलते हीटस्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। जिन लोगों को ज्यादा गर्मी झेलने की आदत नहीं है, उन्हें हीटस्ट्रोक की समस्या ज्यादा होती है। हीटस्ट्रोक में शरीर का तापमान 104 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है या कभी इससे ज्यादा भी हो सकता है। हीटस्ट्रोक में मरीज को सिर में तेज दर्द, सांसों का तेज चलना, उल्टी या जी मिचलाना, बोलने में दिक्कत, चक्कर आने और कन्फ्यूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

पुलिस भर्ती पेपर लीकः अखिलेश की मांग

गुजराती कंपनी और उसके मालिक के खिलाफ FIR सार्वजनिक करे सरकार

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पुलिस भर्ती पेपर लीक में गुजराती कंपनी को लेकर सामने आए कनेक्शन पर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है और मामले में कार्रवाई की मांग की है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज कसते हुए पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर लीक और गुजरात की कंपनी से इसके कनेक्शन को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि 'भाजपाइयों' की है यही पहचान, झूठों को काम, झूठों को सलाम। आगे उन्होंने कहा कि ये आरोप बेहद गंभीर हैं कि पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर आयोजित करवाने वाली गुजरात की कंपनी का ही, पेपर लीक करवाने में हाथ है और उसका मालिक जब सफलतापूर्वक विदेश भाग गया, उसके बाद ही उत्तर प्रदेश सरकार ने उसके बारे में जनता को बताया और जनता के गुस्से से बचने के लिए दिखाने भर के लिए उस कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर दिया। यूपी सरकार उस कंपनी और उसके मालिक के खिलाफ एफआईआर की कॉपी सार्वजनिक करे। गुजरात भेजकर उसकी संपत्ति से खामियाजा वसूलने की हिम्मत दिखाए। ऐसे आपराधिक लोग यूपी के 60 लाख युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने के दोषी हैं। यूपी की भाजपा सरकार साबित करे कि वो इन अपराधियों के साथ है या प्रदेश की जनता के साथ। यूपी में काम करनेवाली हर कंपनी के इतिहास और उसकी सत्यनिष्ठा–गुणवत्ता की जांच की जाए। आरोप लगाते हुए कहा कि जब बेईमान और कलंकित कंपनियों को काम दिया जाए तो जनता को समझ लेना चाहिए कि इसमें काम देने वाले यूपी सरकार के उस मंत्रालय और उसके विभाग के लोगों की भी हिस्सेदारी है मतलब 'ये भ्रष्टाचार की साझेदारी' है। इस परीक्षा के आयोजन से संबंधित कंपनी ही नहीं बल्कि हर एक संलिप्त मंत्री या अधिकारी की भी जांच हो और जब तक जांच पूरी न हो जाए, तब तक उसे उसके काम से मुक्त रखा जाए और संलिप्तता सिद्ध होने पर बर्खास्त करके कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

हम मांग करते हैं कि यूपी में काम कर रही या काम करने की इच्छुक हर बाहरी कंपनी की गहन जांच हो और सब कुछ सही पाये जाने पर ही काम दिया जाए। ऐसा नहीं करने पर जब काम गलत होता है तो उससे यूपी की छवि को ठेस पहुंचती है और प्रदेश के पैसों की बर्बादी भी होती है। इन सबका ख़ामियाजा आखिर में आम जनता को ही भुगतना पड़ता है। साथ ही ये भी मांग है कि उप्र की कंपनियों को प्राथमिकता दी जाए और केवल तभी बाहरी कंपनियों को काम दिया जाए जब यूपी के सरकारी विभागों, निगमों, बोर्डों या स्थानीय कंपनियों के पास कार्य को समय की सीमा में गुणवत्तापूर्वक संपन्न कराने या उतने बड़े काम नहीं करने के अनुभव का अभाव हो।

पुलिस से बोला– लड़कीवालों ने पीटा दुल्हन की मां ने लगाया ये आरोप

बरेली। बदायूं के बिल्सी थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार की रात शादी समारोह में विवाद हो गया। इससे नाराज दूल्हा मंडप से उठकर सीधे थाने पहुंच गया। उसने दुल्हन पक्ष के लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगाया। बाद में दुल्हन की मां भी थाने पहुंच गईं।

बदायूं में बृहस्पतिवार की रात बिल्सी थाना क्षेत्र के एक गांव में वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान घराती और बरातियों में झगड़ा हो गया।

बताया यह जा रहा है कि दूल्हा किसी बात को लेकर रूठ गया था। इससे वह थाने पहुंच गया। पीछे से आए लड़की वालों ने दहेज मांगने का आरोप लगाते हुए तहरीर दे दी। मामला कार्रवाई तक पहुंचता, इससे पहले दोनों पक्षों में समझौता हो गया।

बिल्सी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती की शादी फैजगंज बेहटा थाना क्षेत्र के गांव निवासी युवक से तय हुई थी। बृहस्पतिवार रात युवक बरात लेकर पहुंचा था। देर रात शादी की रस्में चल रही थीं। इसी दौरान दोनों पक्षों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। दोनों ओर से काफी बहस हुई। विवाद इतना बढ़ गया कि दूल्हा मंडप से उठकर सीधे बिल्सी थाने पहुंच गया।

दुल्हन की मां ने लगाया दहेज का आरोप

उसने लड़की वालों पर मारपीट करने का आरोप लगाया। कुछ देर बाद दुल्हन की मां भी थाने पहुंच गईं। उसने लड़का पक्ष पर ज्यादा दहेज मांगने और दहेज न देने पर दुल्हन को घर ले जाकर हत्या करने की धमकी देने का आरोप लगाया। पुलिस ने दोनों पक्षों पर ही कार्रवाई करने की बात कही तो वह शादी करने को तैयार हो गए। उनमें लिखित में फैसला हो गया। समझौते के बाद दूल्हा–दुल्हन ने फेरे लिए।

वाराणसी के उद्योगपति झुनझुनवाला के यहां ईडी की रेड, बैंक धोखाधड़ी का है मामला

वाराणसी। वाराणसी में झुनझुवाला के घर पर ईडी ने छापा मारा है। शुक्रवार को ईडी ने घर पर पहुंचकर कार्रवाई की। इस दौरान किसी को आने–जाने नहीं दिया जा रहा था। वाराणसी के नाटीइमली में जिले के उद्योगपति दीनानाथ झुनझुनवाला के ठिकाने पर प्रवर्तक निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को छापा मारा। इस दौरान घंटों दस्तावेजों की छानबीन की गई। इसे लेकर आसपास के लोगों में दहशत का माहौल रहा। वहीं सूचना है कि लोकल पुलिस या एडमिनिस्ट्रेशन से किसी तरह की कोई मदद नहीं ली गई है और न ही किसी को शामिल किया गया है। जानकारी के मुताबिक मामला बैंक धोखाधड़ी से जुड़ा हुआ है। बताया जा रहा है कि ईडी की कार्रवाई के दौरान झुनझुनवाला के घर के अंदर या बाहर आने– जाने पर रोक लगाई गई थी। सभी के मोबाइल व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को कब्जे में लेकर छानबीन की कार्रवाई की गई।

बेबसी: बेटी की इज्जत के लिए लड़ने वाले पिता ने अस्पताल में पांच दिन बाद दम तोड़ा, पुलिस ने दिखाई लापरवाही

मेरठ। मेरठ के लोहिया नगर थाना क्षेत्र में बेटी की इज्जत के लिए लड़ने वाले पिता ने अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझते हुए पांच दिन बाद दम तोड़ दिया। पीड़ित पर पांच युवकों ने छेड़छाड़ के विरोध में रॉड से हमला किया था। मेरठ के लोहिया नगर थाना क्षेत्र में बेटी की इज्जत के लिए लड़ने वाले पिता ने पांच दिन बाद दम तोड़ दिया। छेड़छाड़ का विरोध करने पर आरोपी सलमान ने उनके सिर पर लोहे की रॉड से हमला किया था। वह तभी से निजी अस्पताल में जिंदगी और मौत से लड़ रहे थे।

दोपहर चार बजे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। छेड़छाड़ और जानलेवा हमले के मुकदमे को हत्या की धाराओं में दर्ज कर लिया है। लोहिया नगर क्षेत्र के गांव निवासी युवती(20) 16 जून को दुकान से कुछ सामान लेने गई थी। आरोप है कि दुकानदार पर खड़े गांव के ही युवक ने उसका हाथ पकड़कर छेड़छाड़ कर दी। युवती ने घर आकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। युवती का भाई और बहनोई दुकान पर पहुंचे और आरोपी से छेड़छाड़ का विरोध जताया। तभी युवती के पिता भी मौके पर पहुंच गए। उन्होंने छेड़छाड़ का विरोध किया तो आरोपी ने लोहे की रॉड से उनके सिर पर वार कर दिया।

वह बेहोश होकर गिर गए। आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। पीड़ितों ने फोन करके पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने गांव निवासी सलमान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। सीओ आशुतोष कुमार का कहना है कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। परिजनों के आरोपों की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

पांच दिन तक वेंटिलेटर पर रखा गया

युवती के पिता के सिर में गंभीर चोट के चलते उन्हें पांच दिन से वेंटिलेटर पर रखा गया था। इसके बाद भी उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। उनकी मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव मोर्चरी भेज दिया। आज पोस्टमार्टम होगा।

हमले में शामिल थे पांच युवक रिपोर्ट सिर्फ एक के नाम लिखी

पीड़ित पक्ष बुधवार को एसएसपी कार्यालय भी पहुंचा था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गैर इरादतन हत्या और छेड़छाड़ की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की। आरोप है कि घटना को अंजाम देने वाले आरोपी पांच थे, लेकिन सलमान का नाम ही मुकदमे में दर्ज किया गया। ऐसे में आरोपी उन्हें मुकदमे समझौता न करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे थे। पिता की मौत के बाद बृहस्पतिवार को लोहिया नगर थाने पहुंचे पीड़ितों ने पांचों युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की।

बीबीए की छात्रा से छेड़छाड़

जानी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी बीबीए की छात्रा का गांव के ही मनचले ने कॉलेज जाना मुश्किल कर दिया। आरोपी कॉलेज जाते समय छात्रा पर आपत्तिजनक टिप्पणी करता है। नानी, मामी, मामा और भाई को फोन कर जान से मारने की धमकी देता है। छात्रा ने आरोपी से जान और इज्जत को खतरे की आशंका जताते हुए कार्रवाई की मांग की। जानी पुलिस ने आरोपी प्रशांत के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

हमले में शामिल थे पांच युवक रिपोर्ट सिर्फ एक के नाम लिखी

पीड़ित पक्ष बुधवार को एसएसपी कार्यालय भी पहुंचा था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने गैर इरादतन हत्या और छेड़छाड़ की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की। आरोप है कि घटना को अंजाम देने वाले आरोपी पांच थे, लेकिन सलमान का नाम ही मुकदमे में दर्ज किया गया। ऐसे में आरोपी उन्हें मुकदमे समझौता न करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे थे। पिता की मौत के बाद बृहस्पतिवार को लोहिया नगर थाने पहुंचे पीड़ितों ने पांचों युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की।

यूपी पुलिस की खाकी पर दाग

पीड़ित को डरा–धमकाकर जबरन वसूले रुपये, दो आरक्षी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

आजमगढ़। आजमगढ़ में पुलिस की वर्दी पर दाग लगाने वाले दो आरक्षी गिरफ्तार किए गए हैं। दोनों ने पीड़ित को धमकाकर जबरन पैसा वसूला था। दोनों आरोपी आरक्षियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

आजमगढ़ के एसपी कार्यालय में गुहार लगाने वाले पीड़ित को डरा–धमका कर जबरन पैसा वसूल करने वाले दो आरक्षी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उक्त आरोपी आरक्षी को निजामाबाद थाने की पुलिस ने रानी की सराय निजामाबाद रेलवे क्रासिंग के पास से गिरफ्तार किया। पकड़ा गया आरोपी आरक्षी अजीत कुमार यादव वाराणसी जनपद के चोलापुर थाना क्षेत्र के टेकारी धर्मशाला का निवासी है। वहीं दूसरा आरक्षी सत्यदेव पाल जौनपुर जनपद के सुरेही थाना क्षेत्र के अडियार गांव का निवासी है।

यह है पूरा मामला

निजामाबाद थाना क्षेत्र के हुसामपुर बड़ागांव निवासी कैलाश प्रजापति ने स्थानीय थाने में 20 जून को लिखित तहरीर दिया। आरोप था कि वह 28 मार्च 2024 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अपने विपक्षी से जमीनी विवाद के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया था। जिसके अगले दिन दो सिपाही वर्दी में घर पर आए और बोले कि जो प्रार्थना पत्र दिए हो उसी की जांच में हम पुलिस वाले आए हैं। एक के नेम प्लेट पर अजीत कुमार यादव व दूसरे के नेम प्लेट पर सत्यदेव पाल लिखा हुआ था। पीड़ित से विपक्षी पर मुकदमा लिखवाने के नाम पर ज्यादा पैसे की मांग करते हुए उसे मुकदमा से डरा धमकाकर जबरन 6000 रुपये ले लिए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरक्षी अजीत कुमार यादव व आरक्षी सत्यदेव पाल के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना शुरू की।

जांच में आरक्षी अजीत कुमार यादव निवासी टेकारी धर्मशाला थाना चोलापुर जनपद वाराणसी व आरक्षी सत्यदेव पाल निवासी अडियार थाना सुरेही जनपद जौनपुर का नाम प्रकाश में आया। आरक्षी अजीत कुमार यादव एफआईआर सेल पुलिस कार्यालय आजमगढ़ में नियुक्त है। वहीं सत्यदेव पाल शिकायत प्रकोष्ठ पुलिस कार्यालय जनपद मऊ में नियुक्त है।

अंतरराष्ट्रीय

योग दिवस

सीएम योगी बोले– योग सभी के लिए है, इसमें कोई भेदभाव नहीं... इसे नियमित अभ्यास का हिस्सा बनाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा योग दिवस हमारे देश की परंपरा, विरासत और संस्कृति के प्रति कृतज्ञता दिखाने का एक अवसर है कि हमें जो भी अपने पूर्वजों से मिला है। उसे संपूर्ण मानवता के साथ जोड़ें।

लखनऊ। 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को राजभवन प्रांगण, लखनऊ में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास समारोह में सम्मिलित हुए और योगाभ्यास किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भी योगाभ्यास में हिस्सा लिया। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि योग मानवता के अनुकूल है, जो देश, समाज, काल परिस्थितियों से बाधित होकर के भी संपूर्ण मानवता के कल्याण के मार्ग को प्रशस्त करता है। इस कार्य के साथ यदि हम जुड़ते हैं और संपूर्ण मानवता को जोड़ते हैं तो यह पूर्वजों और विरासत के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धा कही जाती है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, हम सभी के लिए भारत की इसी परंपरा के प्रति, इसी श्रद्धा को व्यक्त करने का एक माध्यम बना है। कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने श्रीनगर में आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योगाभ्यास कार्यक्रम के दौरान उनकी बातों को भी सुना। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई और फिर राजभवन गीत का भी प्रस्तुतिकरण किया गया। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री को तुलसी का पौधा देकर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रांगण में बड़ी संख्या में उपस्थित योग साधकों व प्रशिक्षकगणों ने पूरे उत्साह से सामूहिक योगाभ्यास में किया। कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने कहा कि यह हम सबका सौभाग्य है कि योग दिवस के अवसर पर हम अपनी विरासत का स्मरण करते हुए भारत की ऋषि परंपरा के प्रति श्रद्धा व्यक्त कर रहे हैं। ये अवसर हमें देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने प्रदान किया है, जिनके विजन और प्रयासों का परिणाम है कि आज दुनिया के लगभग पौने दो सौ देश अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के साथ जुड़कर भारत की इस विरासत के साथ खुद को जोड़कर के हमारी संस्कृति और परंपरा को गौरवान्वित करने का प्रयास करेंगे। अपनी परंपरा और पूर्वजों व विरासत के प्रति इससे बड़ा सम्मान और कोई नहीं हो सकता।

योग हमारे शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक तीनों आयामों को संतुलन व स्वास्थ्य प्रदान कर सुखी और श्रेष्ठ जीवन सुनिश्चित करता है। मैं इस अवसर पर समस्त देशवासियों से योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने की अपील करती हूँ। आप सभी को 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

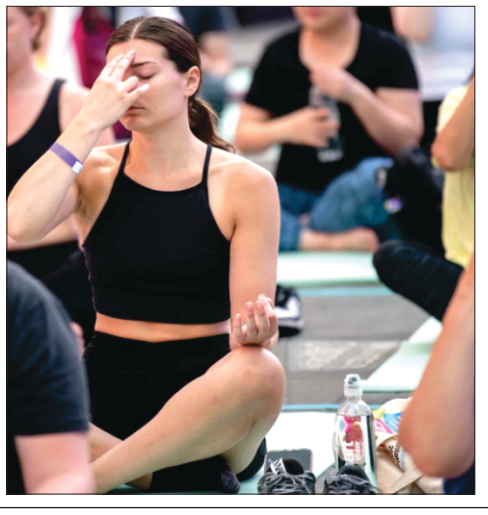

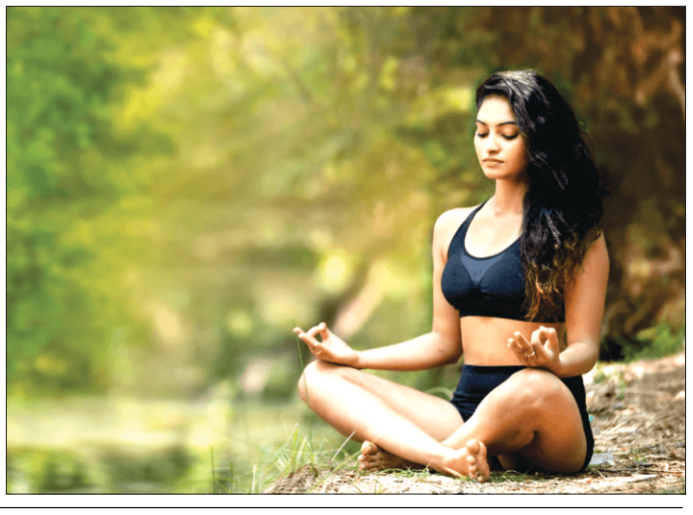

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यमुना स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, दिल्ली में उपस्थित जनसमूह के साथ योगाभ्यास किया।

नशा नशा नशा !!!

'गलत तरह से छूते हैं' ईशा कोप्पिकर का दर्द

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा कोप्पिकर ने कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। इसके अलावा वह साउथ इंडस्ट्री में भी काम कर चुकी हैं। अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री का कच्चा चिट्ठा खोला। उन्होंने बताया कि जब वो सिर्फ 18 साल की थीं, तब उन्हें कास्टिंग काउच झेलना पड़ा था।

बता दें कि, ईशा कोप्पिकर सिद्धार्थ कनन संग बातचीत में कास्टिंग काउच का दर्द बयां किया। उन्होंने बताया कि जब वह इंडस्ट्री में नई–नई आई थीं तो उन्हें काम के लिए कॉम्प्रोमाइज करने के लिए कह दिया गया था। एक्ट्रेस ने ये भी कहा कि कई एक्टर्स ने उन्हें अकेले मिलने के लिए भी बुलाया था।

क्यों हुए थे दो बार तलाक

एक्अर ने पहली बार तोड़ी चुप्पी, कहा– 'मेरी लाइफ में...

मुम्ई। करण सिंह ग्रोवर बॉलीवुड में आने से पहले टीवी इंडस्ट्री में नाम कमा चुके थे। हालांकि वह अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा पर्सनल लाइफ को लेकर भी अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान एक्टर ने पहली बार अपने दोनों तलाक पर बात की। बता दें कि, साल 2016 में करण सिंह ग्रोवर ने बॉलीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु से शादी की थी। लेकिन ये उनकी तीसरी शादी है। इससे पहले उन्होंने साल 2008 में श्रद्धा निगम से शादी की थी लेकिन उनका तलाक हो गया था। साल 2012 में टीवी एक्ट्रेस निफर से शादी की थी लेकिन ये रिश्ता भी ज्यादा समय तक नहीं टिक पाया। भ्मंज॔अमः दिल्ली में भीषण गर्मी प्रकोप, एयरपोर्ट पर भी 'साया', फ्लाइट्स हो रहीं लेट करण सिंह ग्रोवर को अक्सर उनकी दोनों शादी टूटने पर ट्रोल किया जाता है। बावजूद इसके एक्टर ने चुप्पी साधी हुई थी। हालांकि अब एक इंटरव्यू के दौरान करण ने इस पर पहली खुलकर बात की। बॉम्बे टाइम्स से बातचीत कर एक्टर ने कहा कि, 'मैं उस समय प्रोफेशनल एक्टर नहीं था इसलिए सबको इस बारे में जस्टिफाई नहीं करना चाहता था। मुझे नहीं फर्क पड़ता कि लोग मेरे बारे में अच्छा सोच रहे हैं या बुरा। यह उनकी मर्जी है।' करण सिंह ग्रोवर ने आगे कहा कि, 'ब्रेकअप या तलाक हमेशा बुरा नहीं होता। मुझे लगता है कि अगर आपके साथ ऐसा हुआ है तो अच्छे के लिए ही हुआ होगा। हाँ, बाद में जब लोग आगे बढ़ते हैं, तो उन्हें एहसास होता है कि यह अच्छे के लिए हुआ। यह तो अच्छी बात है। लेकिन मुझे कभी भी अपने जीवन के बारे में किसी से बात करने की ज़रूरत महसूस नहीं हुई। यह मेरा मुख्य उद्देश्य नहीं है, मैं कुछ प्यार और खुशी फैलाना चाहूंगा। हर किसी को अपनी खुद की परेशानी से निपटना होता है और मुझे लगता है कि हर कोई अपनी लाइफ प्राइवेट रखने का हकदार है।" बता दें कि, करण सिंह ग्रोवर अब बिपाशा बसु के साथ अपनी मैरिड लाइफ में खुश हैं। साल 2022 में कपल की बेटी हुई थी जिसका नाम देवी है। बिपाशा अक्सर अपनी लाडली के साथ सोशल मीडिया पर फोटोज और वीडियो शेयर करती रहती हैं।

अंजलि अरोड़ा ने शुरू किया ये नया बिजनेस

मुम्बई,एजेंसी। सेशन अंजलि अरोड़ा काचा बादाम गाने पर डांस वीडियो बनाकर रातोंरात फेमस हो गई थी। उनका ये रील वीडियो इंटरनेट पर जमकर वायरल हुआ था। 24 साल की अंजलि अरोड़ा अब इंफ्लूएंसर के अलावा बिजनेसवुमेन भी बन गई हैं। खबर है कि अंजलि अरोड़ा हाल ही में अपना सेलून खोला है। अंजलि अरोड़ा ने खोला अपना सैलून आपको बता दें कि फादर्स डे यानी गत 14 जून 2024 को अंजलि अरोड़ा ने अपने पापा को साथ लेकर इस सैलून का उद्घाटन किया था। अंजलि ने इस खास मौके पर अपने पापा के साथ मिलकर केक काटा था और इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। 'नेपाल में मूसलाधार बारिश, भारत में ढह गया पुल', केंद्र ने झाड़ा पल्ला, सवालों में 'नीतीश सरकार' दिल्ली के कालकाजी इलाके में अंजलि का सैलून जानकारी के अनुसार अंजलि अरोड़ा ने दिल्ली के कालकाजी इलाके में आतिवा लग्जरी ब्यूटी सैलून खोला है। अंजलि ने इस सैलून की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। अंजलि ने वाहेगुरु का आशीर्वाद लिया और पूजा पाठ कर रीति रिवाज के साथ अपने इस बिजनेस की शुरुआत की है। इस दौरान अंजलि का साथ हुए उनके बॉयफ्रेंड आकाश सनसनवाल भी उनके सपोर्ट में खड़े नजर आए। कपल ने साथ में भंडारे का भी आोयजन किया था। अंजलि अरोड़ा ने मुंबई में खरीदा आलीशान घर, किया गृह प्रवेश, लोगों ने किया ट्रोल और पूछा– पैसा कहां से आ रहा है रील वीडियो बनाकर फेमस हुईं अंजलि अरोड़ा सोशल मीडिया पर अंजलि की तगड़ी फैन फॉलोइंग रील वीडियो बनाकर फेमस हुईं अंजलि अरोड़ा बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत के पॉपुलर रिएलिटी शो 'लॉकअप' का भी हिस्सा रह चुकी हैं। अंजलि अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अपने बोल्ड डांस वीडियोज से लोगों के बीच काफी फेमस हो गई हैं। सोशल मीडिया पर अंजलि की तगड़ी फैन फॉलोइंग है।

'कोटा फैक्ट्री' में इन कलाकारों ने किया है अभिनय

एंटरटेनमेंट डेस्क। सबसे पहले बात करते हैं जितेंद्र कुमार की। उन्होंने इस सीरीज में जीतू भैया का किरदार निभाया है। दर्शक जितेंद्र कुमार को जीतू भैया नाम से ही जानते हैं। 'कोटा फैक्ट्री' वेब सीरीज को पसंद करने वाले लोगों को इसके तीसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार था और आज इसकी स्ट्रीमिंग शुरू हो गई है। इसका निर्देशन राघव सुब्बू ने किया है। कहानी पुनीत बत्रा, प्रवीण यादव और निकिता लालवानी ने लिखी है और द वायरल फीवर (टीवीएफ) ने इसका निर्माण किया है। 'कोटा फैक्ट्री' का पहला सीजन साल 2019 और दूसरा साल 2021 में आया था। इस सीरीज के कुछ किरदारों को लोग काफी पसंद करते हैं। आइए जानते हैं कि 'कोटा फैक्ट्री' में कौन–कौन से कलाकार ने काम किया है और उन्होंने कौन सा किरदार अदा किया है।

सबसे पहले बात करते हैं जितेंद्र कुमार की। उन्होंने इस सीरीज में जीतू भैया का किरदार निभाया है। दर्शक जितेंद्र कुमार को जीतू भैया नाम से ही जानते हैं। हाल ही में, उनकी वेब सीरीज 'पंचायत 3' भी रिलीज हुई थी, जिसमें उन्होंने सचिव का रोल किया है।

वैभव पांडे 'कोटा फैक्ट्री' सीरीज का मुख्य किरदार है। इसे मयूर मोरे ने निभाया है। मयूर 'गर्लफ्रेंड चोर', 'स्लम गोल्फ' और 'प्रैंक कॉल' में भी काम कर चुके हैं।

रंजन राज ने 'कोटा फैक्ट्री' में बालमुकुंद मीना का किरदार निभाया है। रंजन बिहार के रहने वाले हैं। बालमुकुंद 'कोटा फैक्ट्री' का एक चर्चित किरदार है। रंजन फिल्म 'छिछोरे' और 'रुस्तम' में भी अभिनय कर चुके हैं। अभिनेता आलम खान ने 'कोटा फैक्ट्री' में उदय का रोल किया है। बता दें कि आलम ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत बाल कलाकार के तौर पर की थी। 'कोटा फैक्ट्री' में उदय का किरदार निभाकर उन्होंने लोकप्रियता हासिल की है।

जो उपलब्धि विराट ने 113 टी20 में जाकर हासिल की सूर्यकुमार ने महज 64 मैच खेलकर ही कर ली उनकी बराबरी

स्पोर्ट्स डेस्क। यह सूर्यकुमार का 64वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच था और इतने मैचों में वह अब तक 15 बार प्लेऑफ ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीत चुके हैं। उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतन के मामले में विराट कोहली की बराबरी की। टी20 विश्व कप में 2024 में भारत ने अपने पहले सुपर–8 मुकाबले में अफगानिस्तान को 47 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ भारतीय टीम सुपर–8 के ग्रुप–1 में शीर्ष पर पहुंच गई है। भारत के लिए सूर्यकुमार यादव ने 28 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से 53 रन की पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 189.29 का रहा। जहां बाकी भारतीय बल्लेबाज रन बनाने के लिए जूझते दिखे, वहीं सूर्या ने बड़ी आसानी से अपने अनऑर्थोडॉक्स शॉट खेले और अफगानिस्तान के गेंदबाजों पर जमकर प्रहार किए।

गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही थी, लेकिन सूर्या को इससे फर्क नहीं पड़ा और वह रन बटोरते गए और भारत को 181 के स्कोर तक पहुंचने में मदद किया। जवाब में अफगानिस्तान की टीम 20 ओवर में 134 रन पर सिमट गई। सूर्यकुमार को उनकी बेहतरीन पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। यह सूर्यकुमार का 64वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच था और इतने मैचों में वह अब तक 15 बार प्लेऑफ ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीत चुके हैं। उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने के मामले में विराट कोहली की बराबरी की। विराट भी 15 बार प्लेयर ऑफ द मैच बने हैं। हालांकि, विराट ने इसके लिए 113 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले थे, जबकि सूर्यकुमार ने उनसे लगभग आधे मैच खेले हैं और उनकी बराबरी कर ली है।

विराट टी20 अंतरराष्ट्रीय में पिछली बार प्लेयर ऑफ द मैच 2022 टी20 विश्व कप के दौरान बने थे। छह नवंबर 2022 को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के दौरान नाबाद 64 रन की पारी के लिए विराट प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए थे। इसके बाद विराट आठ मैच खेल चुके हैं, लेकिन प्लेयर ऑफ द मैच नहीं बन पाए। 2022 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने 50 रन बनाए थे। इसके बाद से छह पारियों में उनके बल्ले से कोई अर्धशतक नहीं निकला है। विराट के नाम 121 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 137.6 के स्ट्राइक रेट से 4066 रन हैं। इनमें एक शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, बात करें सूर्यकुमार की तो उन्होंने 2022 टी20 विश्व कप के बाद से 24 मैच खेले हैं और तीन शतक जड़े हैं। 2022 टी20 विश्व कप के बाद से सूर्या इस प्रारूप में टीम इंडिया के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने इस दौरान 24 मैचों में 51 की औसत और 156.29 के स्ट्राइक रेट से 969 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने तीन शतक के अलावा सात अर्धशतक भी लगाए हैं। नाबाद 112 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा है। वहीं, विराट ने 2022 टी20 विश्व कप के बाद से छह मैचों में 9.66 की औसत और 116 के स्ट्राइक रेट से 58 रन बनाए हैं। टी20 विश्व कप 2024 में भी विराट का बल्ला अभी तक नहीं चला है और चार पारियों में वह महज 29 रन बना पाए हैं। इनमें 1, 4, 0 और 24 रन की पारी शामिल है। भारत को सुपर–8 में अपना अगला मुकाबला 22 जून को बांग्लादेश के खिलाफ एंटीगुआ में खेलना है। इसके बाद टीम इंडिया 24 जून को सेंट लूसिया में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

मैच में क्या हुआ?

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने टी20 विश्व कप में अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। भारत ने अफगानिस्तान को 47 रनों से हराया और सुपर आठ चरण के ग्रुप एक मैच में जीत दर्ज की। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सूर्यकुमार यादव के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 181 रन बनाए। जवाब में बुमराह और अर्शदीप ने तीन–तीन विकेट झटके जिसके दम पर भारत ने 20 ओवर में अफगानिस्तान को 134 रनों पर ढेर कर दिया। अफगानिस्तान के लिए अजमातुल्लाह ओमरजई ने 20 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से सर्वाधिक 26 रन बनाए।

अफगानिस्तान से मैच के बाद इस भारतीय ने जीता बेस्ट फील्डर का अवार्ड

स्पोर्ट्स डेस्क। फील्डिंग कोच दिलीप ने विजेता के नाम के एलान से पहले प्रतियोगियों के नामों का एलान किया। रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों को चुना। अक्षर का नाम सुनते ही विराट चौंक गए। भारत ने टी20 विश्व कप 2024 के सुपर–8 के मुकाबले में अफगानिस्तान को 47 रन से हरा दिया। टी20 विश्व कप के बाकी मैचों की तरह इस मुकाबले के बाद भी फील्डिंग कोच टी दिलीप ने एक खिलाड़ी को बेस्ट फील्डर का अवॉर्ड दिया। हालांकि, इस दौरान कुछ ऐसा हुआ जिसने विराट कोहली को चौंका कर रख दिया। विराट एक बार नहीं, इस कार्यक्रम के दौरान दो बार चौंके।

दिलीप ने बताया कंटेंडर्स का नाम

जैसे ही भारत ने राशिद खान की अगुआई वाली टीम को हराया, ड्रेसिंग रूम में खुशी का माहौल था। फील्डिंग कोच दिलीप ने विजेता के नाम के एलान से पहले प्रतियोगियों के नामों का एलान किया। रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों को अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान उनके प्रयासों के लिए सराहा गया, लेकिन कोहली काफी हैरान थे।

अक्षर का नाम लेने पर चौंके कोहली

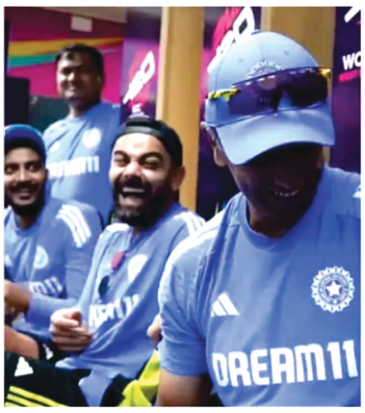

फील्डिंग कोच दिलीप ने जैसे ही कंटेंडर के तौर पर अक्षर का नाम लिया, ऑलराउंडर के चेहरे पर एक चौंक जाने का भाव था। अक्षर उनके बगल में बैठे थे और विराट ने उन्हें हाई फाइव भी दिया। इसके बाद दिलीप ने कहा विजेता को पदक पहनाने के लिए एक खास मेहमान हमारे साथ होगा। इसके बाद दिलीप गेट तक जाते हैं और उसे खोलने की कोशिश करते हैं। हालांकि, फिर वह गेट बंद करके वापस आते हैं और कहते हैं कि वह शख्स हमारे साथ पूरे टूर्नामेंट में मौजूद है– राहुल द्रविड़। द्रविड़ का नाम सुनते ही विराट कोहली फिर चौंक जाते हैं और हंसने लगते हैं।

जडेजा ने द्रविड़ को गोद में उठाया

द्रविड़ उठकर रवींद्र जडेजा के पास पहुंचते हैं और उन्हें पदक पहनाते हैं। मेडल मिलने के बाद जडेजा ने कहा, 'यह पदक बहुत महत्वपूर्ण है। मैं आज यह पदक पाकर बहुत खुश हूं और मैं मोहम्मद सिराज से बहुत प्रेरित हूं। धन्यवाद सिराज, चीयर्स! जडेजा कोच द्रविड़ को गोद में भी उठाते हैं।

मैच में क्या हुआ?

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने टी20 विश्व कप में अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। भारत ने अफगानिस्तान को 47 रनों से हराया और सुपर आठ चरण के ग्रुप एक मैच में जीत दर्ज की। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सूर्यकुमार यादव के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 181 रन बनाए। सूर्या ने 28 गेंद में पांच चौके और तीन छक्के की मदद से 53 रन की पारी खेली। इसके अलावा हार्दिक पांड्या ने 24 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 32 रन बनाए। जवाब में बुमराह और अर्शदीप ने तीन–तीन विकेट झटके जिसके दम पर भारत ने 20 ओवर में अफगानिस्तान को 134 रनों पर ढेर कर दिया। अफगानिस्तान के लिए अजमातुल्लाह ओमरजई ने 20 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से सर्वाधिक 26 रन बनाए।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिन:– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो. नं. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद–विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।

टी20 विश्व कप में इन गेंदबाजों की हैट्रिक

खिलाड़ी	देश	खिलाफ	स्थान	साल
ब्रेट ली	ऑस्ट्रेलिया	बांग्लादेश	केप टाउन	2007
कर्टिस कैम्फर	आयरलैंड	नीदरलैंड्स	अबू धाबी	2021
वानिंदु हसरंगा	श्रीलंका	द. अफ्रीका	शारजाह	2021
कगिसो रबाडा	द. अफ्रीका	इंग्लैंड	शारजाह	2021
कार्तिक मयप्पन	यूएई	श्रीलंका	जिलॉन्ग	2022
जोशुआ लिटिल	आयरलैंड	न्यूजीलैंड	एडिलेड	2022
पैट कमिंस	ऑस्ट्रेलिया	बांग्लादेश	एंटीगुआ	2024

स्पोर्ट्स डेस्क। कमिंस ने 18वें ओवर की आखिरी दो गेंदों पर महमूदुल्लाह और मेहदी हसन को आउट किया था। उन्होंने महमूदुल्लाह (2) को क्लीन बोल्ड और मेहदी (0) को जैम्पा के हाथों कैच कराया। इसके बाद 20वें ओवर की पहली गेंद पर तौहिद हृदोय (40) को आउट करते हुए कमिंस ने खास उपलब्धि हासिल की। टी20 विश्व कप 2024 के 44वें मैच में पैट कमिंस ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के मुकाबले में लगातार तीन गेंद पर तीन विकेट झटके। कमिंस टी20 विश्व कप 2024 में हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज बने। इतना ही नहीं, वह टी20 विश्व कप टूर्नामेंट में हैट्रिक विकेट निकालने वाले दूसरे ऑस्ट्रेलियाई और कुल सातवें खिलाड़ी बने। कमिंस से पहले ब्रेट ली ने ऐसा 2007 में किया था। इसके अलावा कर्टिस कैंफर (आयरलैंड), वानिंदु हसरंगा (श्रीलंका), कगिसो रबाडा (दक्षिण अफ्रीका), कार्तिक मयप्पन (यूएई) और जोशुआ लिटिल (आयरलैंड) भी यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

कमिंस ने इन बल्लेबाजों को भेजा पवेलियन

कमिंस ने 18वें ओवर की आखिरी दो गेंदों पर महमूदुल्लाह और मेहदी हसन को आउट किया था। उन्होंने महमूदुल्लाह (2) को क्लीन बोल्ड और मेहदी (0) को जैम्पा के हाथों कैच कराया। इसके बाद 20वें ओवर की पहली गेंद पर तौहिद हृदोय (40) को आउट करते हुए कमिंस ने खास उपलब्धि हासिल की। कमिंस ने चार ओवर के स्पेल में 29 रन दिए और तीन विकेट झटके। इस दौरान उन्होंने आठ डॉट गेंदें फेंकीं। कमिंस ने अब तक कुल 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 63 विकेट झटके हैं। इस प्रारूप में उनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी 15 रन देकर तीन विकेट रही है और इकोनॉमी रेट 7.36 का रहा है।

कमिंस ज20' में हैट्रिक लेने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई

कमिंस टी20 अंतरराष्ट्रीय में हैट्रिक विकेट लेने वाले चौथे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बने। उनसे पहले ब्रेट ली (2007), एश्टन एगर (2020) और नाथन एलिस (2021) यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक 59 हैट्रिक लग चुके हैं। इनमें एसोसिएट देशों और पूर्ण सदस्य देशों के खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं, सिर्फ पूर्ण सदस्य देशों द्वारा टी20 अंतरराष्ट्रीय में हैट्रिक की बात करें तो ऐसा 25 बार हुआ है। इस प्रारूप में सबसे ज्यादा हैट्रिक लेने का रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम है। उन्होंने छह बार ऐसा किया है। वहीं, न्यूजीलैंड पांच बार के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया चार बार के साथ तीसरे स्थान पर है। अफगानिस्तान, आयरलैंड और पाकिस्तान ने ऐसा दो–दो बार किया है। वहीं, भारत, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के नाम एक–एक बार ऐसा करने का रिकॉर्ड है।

मैच में क्या हुआ?

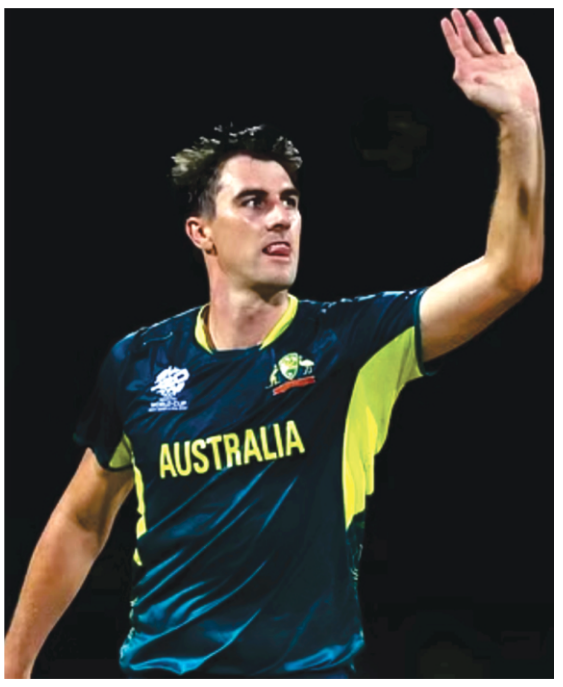

अगर गेंदबाजों की बात करें तो श्रीलंका के लसिथ मलिंगा और न्यूजीलैंड के टिम साउदी ने सबसे ज्यादा दो–दो बार टी20 अंतरराष्ट्रीय में हैट्रिक लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया बनाम बांग्लादेश मैच की बात करें तो कमिंस के अलावा एडम जैम्पा ने दो विकेट झटके। वहीं, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस और ग्लेन मैक्सवेल को एक–एक विकेट मिला। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश के लिए कप्तान शांतो और तौहिद के अलावा कोई बल्लेबाज नहीं चला। स्टार्क ने पहले ही ओवर में तंजीद हसन (0) को क्लीन बोल्ड कर टीम को पहला झटका दिया था।

इसके बाद लिटन दास ने शांतो के साथ मिलकर 58 रन की साझेदारी की, लेकिन जैम्पा ने इस साझेदारी को तोड़ा। उन्होंने लिटन को क्लीन बोल्ड किया। वह 16 रन बना सके। इसके बाद रिशद हुसैन दो रन बनाकर मैक्सवेल का शिकार बने। जैम्पा की फिरकी का जादू एक बार फिर चला और उन्होंने जम चुके शांतो को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। शांतो ने 36 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 41 रन की पारी खेली। शाकिब अल हसन (8) का कैच स्टोइनिस ने अपनी ही गेंद पर लपका। महमूदुल्लाह दो रन बनाकर और मेहदी खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। तस्कीन सात गेंद में 13 रन और तंजीम हसन शाकिब चार रन बनाकर नाबाद रहे।